(जनवरी–जून 2021 से लागू)

# एम०ए०, हिन्दी साहित्य, चतुर्थ सेमेस्टर

## MHL-E413

## विशेष अध्ययन – सूरदास

पूर्णांक 100 | लिखित परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट 6 | सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

---

निर्धारित पाठ्यक्रम : (इकाई–1, 2 से व्याख्या)

**इकाई–1** सूरसागर सार – सम्पा० डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
(विनय तथा भक्ति)

**इकाई–2** (गोकुल लीला, उद्धव संदेश)

**इकाई–3** सूर की भक्ति भावना, सूर की दार्शनिक चेतना, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर का श्रृंगार वर्णन।
गोपियों का विरह वर्णन, सूर की सौन्दर्य योजना, सूर काव्य का मनोवैज्ञानिक पक्ष, सूर काव्य में लोक तत्व।

**इकाई–4** सूर का प्रकृति चित्रण, सूर की गीति योजना, सूर के भ्रमर गीत का वैशिष्ट्य, सूर की गोपियाँ।
अष्टछाप के कवियों में सूर का स्थान, सूर की भाषा, सूर की काव्य कला, सूर काव्य की प्रासंगिकता।

**इकाई–5** श्रीमदभागवत और सूर सागर, पुष्टि मार्ग और सूरदास, सूर की प्रतीक योजना, सूर का दैन्य भाव।
सूर पर जयदेव और विद्यापति का प्रभाव, सूर और नन्द दास की गोपियाँ, सूर की बिम्ब योजना, सूर की राधा, सूर का राम काव्य।

---

संदर्भ ग्रन्थ :


1. सूर और उनका साहित्य – डॉ० हरवंश लाल शर्मा
2. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ० मुंशीराम शर्मा
3. सूर सौरभ (भाग – 1,2) – डॉ० मुंशीराम शर्मा
4. सूर की काव्य साधना – गोविन्द राम शर्मा
5. सूर की काव्य कला – डॉ० मनमोहन गौतम
6. सूर की साहित्य साधना – सम्पा० डॉ० भगवत स्वरूप मिश्र, विश्वम्भर अरुण
7. सूरदास – सम्पा० हरवंश लाल शर्मा
8. सूर की काव्य चेतना – डॉ० रत्नाकर पाण्डेय
9. सूर सर्वस्व – प्रभु दयाल मीतल
10. सूर साहित्य संदर्भ – सम्पा० राम स्वरूप आर्य, डॉ० गिरिराज शरण अग्रवाल
11. सूर की सांस्कृतिक चेतना और उनका युगबोध – डॉ० सन्त राम वैश्य
12. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – डॉ० मैनेजर पाण्डेय